Reg. No. :- JH-11-0004329

अपेम लाइव न्यूज

(Art, Agriculture, Press & Education, Health Management)

(अपेम ट्रस्ट के अंतर्गत बरही से संचालित एवं प्रसारित, Reg. No. :- 2020/BAR/80/BK/01)

दैनिक संध्या डिजीटल अखबार | सच का साथी | दिनांक 09-06-2022 | अंक 250

Website- www.apemlive.com संपर्क सूत्र 9550809864,9934337941,8969504178 Email Id- liveapem@gmail.com

बिरसा मुंडा 25 साल की उम्र में ही बन गए थे आदिवासियों के नायक

बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर विशेष

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

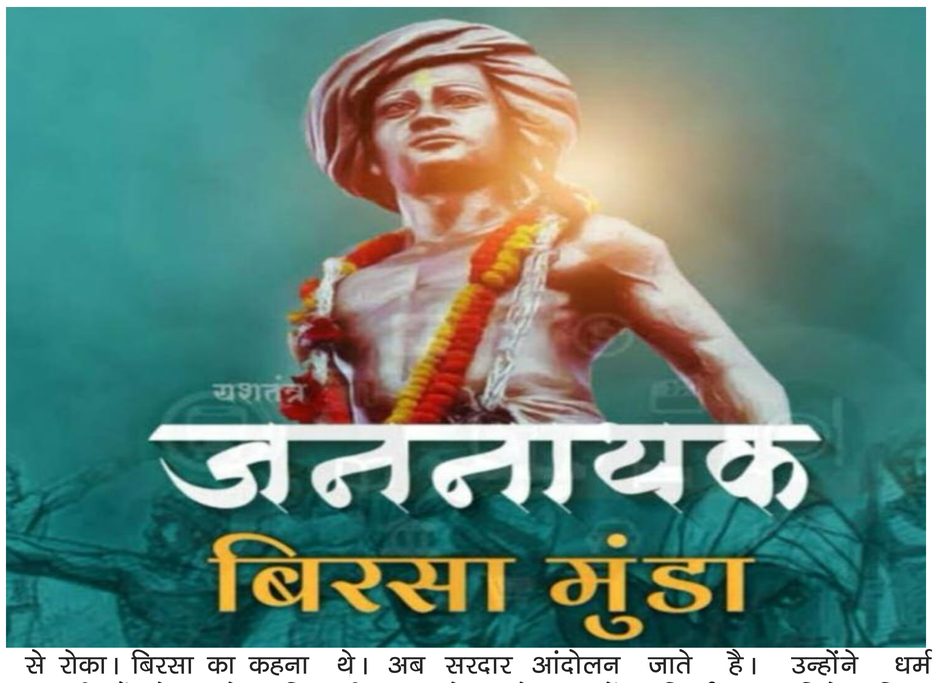

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को रांची जिले के उलिहातु गांव में हुआ था। मुंडा रीति रिवाज के अनुसार उनका नाम बृहस्पतिवार के हिसाब से बिरसा रखा गया था। बिरसा के पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी था। उनका परिवार रोजगार के तलाश में उनके जन्म के बाद उलिहातू से कुरुम्बदा आकर बस गए। जहां उनका परिवार खेतो में काम करके अपना भरण पोषण कर सके। उसके बाद फिर काम की तलाश में उनका परिवार बंबा चला गया, बिरसा मुंडा का परिवार घुमक्कड़ जीवन व्यतीत करता था। बिरसा बचपन से अपने दोस्तो के साथ रेत में खेला करते थे और थोड़ा बड़ा होने पर उन्हें जंगल में भेंड चराने जाने लगे। जंगल में भेंड़ चराते वक्त समय व्यतीत करने के लिए बांसुरी बजाया करते थे और कुछ ही दिनों में बांसुरी बजाने में उस्ताद हो गए थे। उन्होंने कद्दू से एक तार वाला वादक यंत्र तुइला बनाया था जिसे भी वो बजाया करते थे। थोड़ा बड़ा होने के बाद बिरसा मुंडा ने किसानों का शोषण करने वाले जमींदारों के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा भी लोगो को दी। यह देखकर ब्रिटिश सरकार ने उन्हें लोगो को भीड़ जमा करने से रोका। बिरसा का कहना था की मैं तो अपने जाति को अपना धर्म सीखा रहा हूं। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया, लेकिन गांव वालों ने मिलकर उन्हें छुड़ा लिया। उसके बाद शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार करके दो वर्ष के लिए हजारीबाग जेल में डाल दिए गए। बाद में उन्हें इस चेतावनी के साथ छोड़ा गया की अब वह किसी प्रकार का कोई प्रचार नही करेंगे। 1886 से 1890 का दौर के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रहा जिसमे उन्होंने ईसाई धर्म के प्रभाव में अपने धर्म का अंतर समझा। उस समय सरदार आंदोलन शुरू हो गया था। इसीलिए उनके पिता ने उनको स्कूल भेजना बंद कर दिए थे क्योंकि वे सभी ईसाई स्कूलों का विरोध कर रहे थे। अब सरदार आंदोलन की वजह से उनके मन में ईसाइयों के प्रति उनके मन में विद्रोह की भावना जागृत हो गई थी। अब बिरसा मुंडा भी सरदार आंदोलन में शामिल हो गए थे और अपने पारंपरिक रीति रिवाजों के लिए लड़ना शुरू कर दिए थे। वहीं बिरसा मुंडा आदिवासियों के जमीन छीनने, लोगो को ईसाई बनाने और युवतियों को दलालों द्वारा उठा ले जाने वाले कुकृतियों को अपने आंखो से देखा था जिससे उनके मन में अंग्रेजो के अनाचार के प्रति क्रोध की ज्वाला भड़क उठी थी।अब वह अपने विद्रोह में इतने उग्र हो गए थे की आदिवासी जनता उन्हें भग. वान मानने लगी थी जिसे आज पूरा भारतवर्ष में बिरसा मुंडा १ धरती के आबा १ के नाम से जाने जाते है। उन्होंने धर्म परिवर्तन का विरोध किया और अपने समुदायों को धर्म के सिद्धांतो को समझाते थे। उन्होंने गाय की पूजा करने और गौ – हत्या का विरोध करने के लिए लोगो को सलाह दी। अब उन्होंने अंग्रेज के खिलाफ एक नारा दिया था की ९ रानी का शासन खत्म करो और हमारा साम्राज्य स्थापित करोष। उनके इस नारे को आज भी भारत के आदिवासी इलाकों में याद किया जाता है। वहीं उनके समुदाय के ही दो व्यक्तियों ने धन के लालच में आकर बिरसा मुंडा को गिरफ्तार करा दिया। जहां 25 वर्ष की उम्र में ही 9 जून 1900 ई. को रांची के जेल में उनकी मृत्यु हो गई

बीडीओ एवं डीएस ने बीएलटीएफ के साथ की बैठक

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

बरही प्रखंड मुख्यालय के सभागार में गुरुवार को बीडीओ सी आर इंदवार की अध्यक्षता में ब्लॉक लेवल टास्क फोर्स (बीएलटीएफ) की बैठक सम्पन्न हुई। साथ ही उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा की जिला उपायुक्त के आदेश पर 31 जुलाई तक कोविड का टीका शतप्रतिशत पूरा करना है। वहीं बैठक में मौजूद बरही अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया की हर घर टीका दस्तक महाअभियान के तहत प्रखंड के सभी पंचायत में कोविड टीका के लिए शि. विर का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा की 12 से 18 वर्ष के बच्चों को भी कोविड का टीका दिया जाएगा। जिसके लिए सरकारी स्कूल में भी कैंप लगाकर उन्हें टीका दिया जाएगा। मौके पर बीडीओ सी आर इंदवार, डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, बीपीएम नारायण राम, महेंद्र राम, सिकंदर राना, कुमारी मीरा, राजेंद्र कुशवाहा, मुकेश राम, हरेंद्र गोप, शमशेर आलम, गोविंद साव, इरशाद अंसारी सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

नवनिर्वाचित मुखिया के साथ बीडीओ ने की पहली बैठक

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

बरही प्रखंड कार्यालय स्थित का सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी सी आर इंदवार ने पंचायत के सभी नवनिर्वाचित मुखिया के साथ गुरुवार को पहली बैठक की। बीडीओ ने सभी नवनिर्वाचित मुखिया से अपील किया की बरही को विकास की और अग्रसर करने के लिए मुझे आप सभी का साथ चाहिए जिससे बरही में जो भी कमियां है उसे पूरा किया जा सके। साथ ही उन्होंने सभी से अनुरोध किया की आप सभी अपने अपने पंचायत में ईमानदारी पूर्वक काम करेंगे। मौके पर रा. जेंद्र कुशवाहा, विजय यादव, कुमारी मीरा, नारायण यादव, सरिता देवी, यास्मीन तबस्सुम, शमशेर आलम, छोटन ठाकुर, मंगलदेव यादव, हरेंद्र गोप, मनोज कुमार, सिकंदर राणा, उषा राम, गोविंद साव, रामचंद्र टुडू आदि मौजूद थे।

गंगा दशहरा कार्यक्रम माता गंगा के प्रति समर्पण को दर्शाता है : त्रिवेणी साहू

एकल अभियान की ओर से ठाकर तालाब में मनाया गया गंगा दशहरा कार्यक्रम

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

गंगा दशहरा कार्यक्रम में शामिल एकल से जुड़े लोग

एकल अभियान की ओर से अनुमंडल कार्यालय के पास स्थित ठाकुर तालाब में गंगा दशहरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गंगा स्तुति की गई और दीप प्रज्वलित कर गंगा आरती की गई। मौके पर हज़ारीबाग़ अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति, ग्राम स्वराज्य मंच प्रभारी प्रो हीरामन साहू, ग्राम स्वराज्य मंच हज़ारीबाग़ अंचल अध्यक्ष मुकुंद साव, संस्कार समिति अध्यक्ष किशोरी मोहन पांडेय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी त्रिवेणी साव ने दीपक जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । उसके बाद सभी एकल विद्यालय आचार्या ने भी बारी बारी से दीप जलाकर माता गंगा की स्तुति की। गंगा स्तुति के बाद सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव ने गंगा की उद्भव की कथा की जानकारी विस्तार से दी। इसके साथ ही गंगा की महत्ता से अवगत कराया। कार्यक्रम मे संभाग प्राथ. मिक शिक्षा प्रमुख धनंजय कुमार,भाग अभियान प्रमुख ओम प्रकाश कुमार, कार्यालय प्रमुख मनोज महतो , अंचल अभियान प्रमुख कपिल महतो, ग्राम स्वराज्य योजना प्रमुख संदीप चन्द्रवंशी, प्राथमिक शिक्षा प्रमुख नरेश पासवान , चौपारण संच प्रमुख नंदकेशरी देवी, चंदवारा संच प्रमुख संजू देवी, चलकुषा संच प्रमुख महेंद्र प्रसाद, पदमा संच प्रमुख सरिता देवी सहित कुल 120 आचार्या मौजूद रहीं।

बरही विधायक एवं जीप सदस्या ने संयुक्त रूप से किया ऑटो बजाज शोरूम का शुभारंभ

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

बरही गया रोड में स्थित कोयली मोड़ के समीप पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव एवं बरही पश्चिमी जीप सदस्या प्रीती कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर बजाज ऑटो शोरूम का शुभारंभ किया। वहीं पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने बताया की इस शोरूम के खुलने से बरही एवं आस पास के लोगो के लिए बहुत ही लाभकारी है क्योंकि इस ऑटो के लिए आपको पेट्रोल और डीजल पर निर्भर नही रहना पड़ेगा। जिसका सबसे बड़ा फायदा यह है की वाहनों की हानिकारक धुंआ, जैसे सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड के अधिक अनुपात की स्थिति के कारण वायु प्रदूषण होता है, और सीएनजी से वायुमंडल को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता है। शुभारंभ के दिन खरीदारी करने वाले ग्राहक सरोज कुमार यादव को एक सुंदर उपहार भी दिया गया। अंत में शोरूम के प्रोपराइटर उमेश कुमार ने बताया की हमारे शोरूम में सेल और सर्विस दोनो काम किया जायेगा। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, भूपेंद्र यादव, कम्पनी के क्षेत्राधिकारी गिरीश कुमार, अमित कुमार, लाल मनी प्रसाद एवं दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

APEM LIVE

डेस्क प्रभारीः विकाश कुमार सहयोगीः सोनू पंडित, एडिटिंग- सोनू पंडित मैनेजिंग डायरेक्टरः डॉ० अनिल कुमार

दिनांकः 09-06-2022

सच का साथी

अपेम लाइव न्यूज

बरही से प्रकाशित एवं संचालित संध्या डिजीटल न्यूजपेपर

पेज संः 02

झारखंड के महानायक थे भगवान बिरसा मुंडा : कुमार यदुवंशी

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

बरही विश्व हिंदू परिषद के सदस्य कुमार यदुवंशी ने बताया की आदिवासियों के महानायक भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के आदिवासी दम्पति सुगना और करमी के घर हुआ था। भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे, जिन्होंने भारत के झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। बिरसा मुंडा ने साहस की स्याही से पुरुषार्थ के पृष्ठों पर शौर्य की शब्दावली रची। उन्होंने हिन्दू धर्म और ईसाई धर्म का बारीकी से अध्ययन किया तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि आदिवासी समाज मिशनरियों से तो भ्रमित है ही हिन्दू धर्म को भी ठीक से न तो समझ पा रहा है, न ग्रहण कर पा रहा है। बिरसा मुंडा ने महसूस किया कि आचरण के धरातल पर आदिवासी समाज अंधविश्वासों की आंधियों में तिनके-सा उड़ रहा है तथा आस्था के मामले में भटका हुआ है। उन्होंने यह भी अनुभव किया कि सामाजिक कुरीतियों के कोहरे ने आदिवासी समाज को ज्ञान के प्रकाश से वंचित कर दिया है। धर्म के बिंदु पर आदिवासी कभी मिशनरियों के प्रलोभन में आ जाते हैं, तो कभी ढकोसलों को ही ईश्वर मान लेते हैं। भारतीय जमींदारों और जागीरदारों तथा ब्रिटिश शासकों के शोषण की भट्टी में आदिवासी समाज झुलस रहा था। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण की नाटकीय यातना से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें तीन स्तरों पर संगठित करना आवश्यक समझा।

1. पहला तो सामाजिक स्तर पर ताकि आदिवासी-समाज अंध. विश्वासों और ढकोसलों के चंगुल से छूट कर पाखंड के पिंजरे से बाहर आ सके। इसके लिए उन्होंने ने आदिवासियों को स्वच्छता का संस्कार सिखाया। शिक्षा का महत्व समझाया। सहयोग और सरकार का रास्ता दिखाया। सामाजिक स्तर पर आदिवासियों के इस जागरण से जमींदार-जाग. ीरदार और तत्कालीन ब्रिटिश शासन तो बौखलाया ही, पाखंडी झाड़-फूंक करने वालों की दुकानदारी भी ठप हो गई। यह सब बिरसा मुंडा के खिलाफ हो गए। उन्होंने बिरसा को साजिश रचकर फंसाने की काली करतूतें प्रारंभ की। यह तो था सामाजिक स्तर पर बिरसा का प्रभाव। काले कानूनों को चुनौती देकर बर्बर ब्रिटिश साम्राज्य को सांसत में डाल दिया।

2. दूसरा था आर्थिक स्तर पर सुधार ताकि आदिवासी समाज को जमींदारों और जागीरदारों क आर्थिक शोषण से मुक्त किया जा सके। बिरसा मुंडा ने जब सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज में चेतना पैदा कर दी तो आर्थिक स्तर पर सारे आदिवासी शोषण के विरुद्ध स्वयं ही संगठित होने लगे। बिरसा मुंडा ने उनके नेतृत्व की कमान संभाली। आदिवासियों ने श्बेगारी प्रथाश के विरुद्ध जबर्दस्त आंदोलन किया। परिणामस्वरूप जमींदारों और जागीरदारों के घरों तथा खेतों और वन की भूमि पर कार्य रूक गया।

3. तीसरा था राजनीतिक स्तर पर आदिवासियों को संगठित करना। चूंकि उन्होंने सामाजिक और आ. र्थिक स्तर पर आदिवासियों में चेतना की चिंगारी सुलगा दी थी, अतः रा. जनीतिक स्तर पर इसे आग बनने में देर नहीं लगी। आदिवासी अपने रा. जनीतिक अधिकारों के प्रति सजग हुए। बिरसा मुंडा सही मायने में पराक्रम और सामाजिक जागरण के धरातल पर तत्कालीन युग के एकलव्य और स्वामी विवेकानंद थे। बिरसा मुंडा की गणना महान देशभक्तों में की जाती है। ब्रिटिश हुकूमत ने इसे खतरे का संकेत समझकर बिरसा मुंडा को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया। वहां अंग्रेजों ने उन्हें धीमा जहर दिया था। जिस कारण वे 9 जून 1900 को शहीद हो गए।

अवैध बालू खनन एवं परिवहन करने वालों पर की गई कार्रवाई

अपेम लाइव : चंदवारा
धीरज कुमार

जप्त ट्रेक्टर

चंदवारा अंचल के तिलैया डैम ओपी अंतर्गत तिलैया डैम के नीचे बराकर नदी से अवैध बालू खनन कर परिवहन करने वालों पर गुरुवार सुबह अंचलाधिकारी चंदवारा द्वारा कठोर कार्रवाई करते हुए छह ट्रेक्टरों को बालू सहित जब्त किया गया है। जिसे तिलैया डैम ओपी में सुरक्षार्थ रखा गया है। वहीं बालू लदा दो ट्रेक्टर को बांझेडीह फोर लाईन रोड से जब्त कर चंदवारा थाना में सुरक्षित रखा गया है। झारखंड सरकार के निर्देश पर अवैध खनन और परिवहन करने वालों पर मद्देनजर अवैध बालू खनन लगातार कार्रवाई की जा रही है। अंचलाधिकारी ने कहा कि 10 जून से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार नदियों से बालू का उठाव प्रतिबंधित रहता है इसके लिए जिला खनन पदाधिकारी कोडरमा को एवं परिवहन करने वालों पर इस प्रकार की कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगा। अंचला. धिकारी द्वारा जब्त सभी ट्रेक्टर संचालकों पर कार्रवाई के लिए अग्रसारित कर दिया गया है। उक्त कार्रवाई के दौरान अंचलाधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल, तिलैया डैम ओपी प्रभारी मदन मुंडा सहित तिलैया डैम थाना के अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

गंगा दशहरा के दिन दामोदर महोत्सव मनाया गयादृबिरसा मुंडा स्काउट एंड गाइड

अपेम लाइव : बरही
सोनु पंडित

आज दिनांक 9 जून 2022 को पूरे झारखंड प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में गंगा दशहरा मनाया जा रहा है झारखंड में भी गंगा दशहरा के दिन दामोदर महोत्सव का आयोजन पिछले 2004 से ही लगातार आज तक हो रहा है इस आंदोलन के प्रणेता दामोदर बचाओ आंदोलन के अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री सरयू राय जी के द्वारा कई नदी को साफ करने का प्रयास किया गया। इसमें यह भी ध्यान रखा गया कि सिर्फ सरकार के भरोसे हम ना रहे बल्कि जनभागीदारी को जागृत कर जो लोग नदी में पानी को गंदा करना चाहते हैं सिर्फ उसे रोक दिया जाए तो नदी का पानी साफ हो जाएगा जो प्रयास आज दामोदर नदी में देखने को मिल रहा है कि नदी का जल अविरल जिस तरह से दामोदर का उद्गम स्थल लातेहार जिले के चूल्हा पानी में है और वहां से जो जल निकलता है उसी प्रकार से अब दामोदर का भी जल करीब 90ः निर्मल और साफ दिख रहा है। जिसमें पूरे प्रदेश में दामोदर बचाओ आंदोलन को सहयोग करने वालों में कई संस्थाएं अग्रणी रहा जिसमें युगांतर भारती धनबाद में बिरसा मुंडा स्काउट एंड गाइड, सरवोनमुखी विकास परिषद, ऐसी कई संस्थाएं शामिल है। दामोदर बच. ाओ आंदोलन के धनबाद जिला के संयोजक श्री अरुण राय ने कहा कि जिस तरह से भागीरथ जी के द्वारा अथक प्रयास से भगवान शिव के जटा से गंगा को नीचे आकर प्रवाहित होना पड़ा वह एक दिन का प्रयास नहीं था ठीक उसी प्रकार से जिस नदी का पानी पीने लायक नहीं था जिसे देखने से ही गजब का मन में उत्कंठा महसूस होती थी उसे साफ करने के लिए दामोदर बच. ाओ आंदोलन के प्रणेता सरयू राय ने एक बीड़ा उठाया जिसमें धनबाद जिले मैं कई संस्थाओं ने भरपूर सहयोग किया और हर वर्ष नदियों का जल का परीक्षण कर उनके मापदंडों को नापने का भी काम किया गया। पिछले 5 जून से पर्यावरण दिवस के दिन से ही दामोदर नदी समीक्षा यात्रा शुरुआत किया गया जो आज 9 जून 2022 को दामोदर महोत्सव के रूप में सभी प्रमुख घाटों पर मनाया गया। जिसके निमित्त आज चासनाला सूर्य मंदिर घाट में बिरसा मुंडा स्काउट एंड गाइड सह दामोदर बचाओ आंदोलन के सुदामडीह के प्रभारी पप्पू पंडित एवं टासरा घाट के प्रभारी प्रभास कुमार अग्रवाल जी के नेतृत्व में गंगा दशहरा के दिन दामोदर नदी में गंगा जैसे अविरल जल साफ रहे इसके लिए पूजन अर्चन किया गया। इसमें शामिल श्री अरुण कुमार राय श्री प्रभाष कुमार अग्रवाल मुकेश सिंह बिरसा मुंडा स्काउट गाइड के सचिव पप्पू पंडित मुख्य प्रशिक्षक रिक्की कुमार साव,जिला संगठन आयुक्त शैलेश रंजन, मिथिलेश कुमार, काजल बनर्जी, कैलाश अग्रवाल, काली किंकर, सुनिल उरांव, सरवन मुख्य विकास परिषद के सचिव अशोक कुमार सिंह, विदेशी सिंह, ममता सिंह, बेबी, कलावती देवी, मंजू देवी आदि रहे।

डेस्क प्रभारीः विकाश कुमार सहयोगीः सोनू पंडित, एडिटिंग- सोनू पंडित मैनेजिंग डायरेक्टरः डॉ० अनिल कुमार

दिनांक: 09-06-2022

सच का साथी

अपेम लाइव न्यूज

बरही से प्रकाशित एवं संचालित संध्या डिजीटल न्यूजपेपर

पेज सं0: 03

जानें क्या है माँ तारा और बामा खेपा का रिश्ता, क्यों प्रसिद्ध है तारापीठ

अपेम लाइव :गिरीडीह
बजरंगी महतो

पश्चिम बंगाल के एक गांव में वामा चरण नाम के बालक का जन्म हुआ. बालक के जन्म के कुछ समय बाद उसके पिता का देहांत हो गया. माता भी गरीब थी . इसलिए बच्चों के पालन पोषण की समस्या आई . उन्हें मामा के पास भेज दिया गया . मामा तारा. पीठ के पास के गांव में रहते थे . जैसा कि आमतौर पर अनाथ बच्चों के साथ होता है . दोनों बच्चों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार नहीं हुआ . धीरे-धीरे वामाचरण की रुचि साधु संगति की तरफ होने लगी. गांव के मशान में आने वाले बाबाओं की संगत में रहते हुए बामाचरण में भी देवी के प्रति रुझान बढ़ने लगा. अब वह तारा माई को बड़ी मां कहते और अपनी मां को छोटी मां . बामा चरण कभी श्मशान में जलती चिता के पास जाकर बैठ जाता, तो कभी यूं ही हवा में बातें करता रहता. ऐसे ही वह युवावस्था तक पहुंच गया. उसकी हरकतों की वजह से उसका नाम बामाचरण से वामा खेपा पड़ चुका था. खेपा का मतलब होता है पागल. यानी गांव वाले उसको आधा पागल समझते थे. उसके नाम के साथ उन्होंने पागल उपनाम जोड़ दिया था. वे यह नहीं जानते थे कि वस्तुतरू कितनी उच्च कोटि का महामानव उनके साथ है. वह भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी . मंगलवार का दिन था . भगवती तारा की सिद्धि का परम सिद्ध मुहूर्त . रात का समय था . बामाखेपा जलती हुई चिता के बगल में श्मशान में बैठा हुआ था तभी ! नीले आकाश से ज्योति फूट पड़ी और चारों तरफ प्रकाश ही प्रकाश फैल गया. उसी प्रकाश में वामाचरण को माँ तारा के दर्शन हुए. . कमर में बाघ की खाल पहने हुए ! एक हाथ में कैंची लिए . एक हाथ में खोपड़ी लिए . एक हाथ में नीले कमल का पुष्प लिए .एक हाथ में खड्ग लिए हुए. महावर लगे सुंदर पैरो में पायल पहने .खुले हुए कमर तक बिखरे केश से युक्त , परम ब्रह्मांड की स्वामिनी, सौंदर्य की प्रतिमूर्ति . नील वर्णी , मंद मंद मुसकाती माँ तारा, वामाखेपा के सामने खड़ी थी३३ .वामाखेपा उस भव्य और सुंदर देवी को देखकर खुशी से भर गए. माता ने उसके सर पर हाथ फेरा और वामाखेपा वही समाधिस्थ हो गए . 3 दिन और 3 रात उसी समाधि की अवस्था में वे श्मशान में रहे . 3 दिन के बाद उन्हें होश आया और होश आते ही वह मां मां चिल्लाते हुए इधर उधर दौडने लगे . अब गांव वालों को पूरा यकीन हो गया कि बामा पूरा पागल हो गया है . बामा की यह स्थिति महीने भर रही ३.

कुछ दिन बाद वहां की रानी जी को सपने में भगवती तारा ने दर्शन दिए और निर्देश दिया कि मसान के पास मेरे लिए मंदिर का निर्माण करो और बामा को पुजारी बनाओ. अगले दिन से मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया. कुछ ही दिनों में मंदिर बनकर तैयार हो गया और बामा को मंदिर का पुजारी बना दिया गया. बामा बेहद खुश हो गए क्योंकि उनकी बड़ी मां अब उनके साथ थी३३ रानी के द्वारा बनाया मंदिर अर्थात मोटे चढ़ावे की संभावना. अब ऐसे मंदिर में एक आधे पागल को पुजारी बनाना बहुत से पण्डों को रास नहीं आया. वे बामाखेपा को निपटाने का मार्ग खोजते रहते थे. बामाखेपा की हरकतें अजीब अजीब हुआ करती थी . कई बार वह दिन भर पूजा करता . कई बार दो-तीन दिन तक पूजा ही नहीं करता. कभी देवी को माला पहनाता कभी खुद पहन लेता . इनमें से कोई भी क्रम पंडों के हिसाब से शास्त्रीय पूजन विधि से मैच नहीं खाता था . यह बात उनको खटक रही थी. फिर एक दिन ऐसा हुआ कि प्रसाद बना और प्रसाद बनने के बाद जब मंदिर में पहुंचा तो देवी को भोग लगाने से पहले वामा चरण के मन में विचार आया, कि इसे चख कर देख लो कि यह माता के खाने के लायक है या नहीं . बस फिर क्या था . उन्हा. ने प्रसाद की थाली में हाथ डाला और चखने के लिए अपने मुंह में डाल लिया . चखने के बाद जब सही लगा तो बाकी प्रसाद उन्होंने माई को अर्पित कर दिया .इतना बड़ा अवसर पंडित कहाँ छोड़ते . उन्होंने बवाल मचा दिया कि, देवी के प्रसाद को बामा ने खा लिया है . उसे जूठा कर दिया है. जूठा प्रसाद देवी को चढ़ा दिया है . अब देवी रुष्ट हो जाएगी, उसका प्रकोप सारे गांव को झेलना पड़ेगा . उसके बाद भीड़तंत्र का बोलबाला हुआ और गांव वालों ने मिलकर पंडों के साथ बामाचरण की कस कर पिटाई कर दी . उसे श्मशान में ले जाकर फेंक दिया .मंदिर पर पण्डों का कब्जा हो गया . उन्होंने शुद्धिकरण और तमाम प्रक्रियाएं की . उस दिन पूजन पण्डों के अनुसार संपन्न हुआ . उधर बामाखेपा को होश आया तो वह माई पर गुस्सा हो गया दृ मैंने गलत क्या किया जो तूने मुझे पिटवा दिया . तुझे देने से पहले खाना स्वादिष्ट है या नहीं देख रहा था . इसमें मेरी गलती क्या थी ? मैं तो तुम्हें स्वादिष्ट भोग लगाने का प्रयास कर रहा था और चाहता था कि तुझे अच्छे स्वाद का प्रसाद ही मिले . अगर स्वाद गड़बड़ होता तो उसे फेककर दूसरा बनवाता . लेकिन तूने बेवजह मुझे पिटवाया जा मैं अब तेरे पास नही आऊंगा . मसान घाट पर बैठकर बामाचरण ने मां को सारी बातें सुना दी और वहां से उठकर चला गया जंगल की ओर . जंगल में जाकर एक गुफा में बैठ गया . यह स्थिति बिलकुल वैसे ही थी जैसे अपनी मां से रूठ कर बच्चे किसी कोने में जाकर छुप जाते हैं . बामाचरण और तारा माई के बीच में मां और बेटे जैसा रिश्ता था . यह रिश्ता बिल्कुल वैसा ही था जैसे एक अबोध शिशु और उसकी मां की बीच में होता है . अपने शिशु की व्यथा तारा माई को सहन नहीं हुई . उसी रात रानी के स्वप्न में माई प्रकट हुई . क्रोधित माई ने रानी को फटकार लगाई दृ तेरे पण्डों ने मेरे पुत्र को बुरी तरह से मारा है . मैं तेरा मंदिर छोड़ कर जा रही हूं . अब तुझे और तेरे राज्य को मेरा प्रकोप सहना पड़ेगा, अगर उससे बचना चाहती है तो कल के कल मेरे पुत्र को वापस लाकर मंदिर में पूजा का भार सौंप, वरना प्रतिफल भुगतने के लिए तैयार रह . एक तो तारा माई का रूप ऐसे ही भयानक है . क्रोधित अवस्था में तो सीधी सरल माता भी काली से कम नहीं दिखाई देती . क्रोधित माई का स्वरूप व्याख्या से परे था .रानी हड़बड़ा कर पलंग पर उठ बैठी . रानी के लिए रात बिताना भी मुश्किल हो गया . उसने सारी रात जागकर बिताई . अगले दिन अपने सेवकों को दौड़ाया और मामले का पता लगाने के लिए कहा . जैसे ही पूरी जानकारी प्राप्त हुई रानी अपने लाव लश्कर के साथ मंदिर पहुंच गई . सारे पण्डों को कसकर फटकार लगाई और मंदिर में प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया . अपने सेवकों को आदेश दिया कि जैसे भी हो बामाखेपा को ढूंढ कर लाओ . अब सारे सेवक चारों तरफ बामाखेपा की खोज में लग गए . एक सेवक को गुफा में बैठा हुआ बामाखेपा मिल गया . बड़ी मनोव्वल के बाद भी वह नहीं माना तो सेवक ने जाकर रानी को बात बताई . अंततः रानी खुद गुफा तक पहुंची . बामा ने उनपर भी अपना गुस्सा उतारा दृ आप के कहने पर मैं पूजा कर रहा था और मुझे देखो इन लोगों ने कितना मारा ! . उनकी बाल सुलभ सहजता को देखकर रानी का नारी हृदय भी ममत्व से भर गया . उनकी समझ में आ गया कि तारा माई का मातृत्व इस बामाखेपा के प्रति क्यों है . उन्होंने फरमान जारी कर दिया दृ इस मंदिर का पुजारी बामाखेपा है . उसकी जैसी मर्जी हो जैसी विधि वह करना चाहे उस प्रकार से पूजा करने के लिए वह स्वतंत्र है. कोई भी उसके मार्ग में आएगा तो दंड का भागी होगा. यह मंदिर बामाखेपा का है और तारा माई भी बामाखेपा की है. वह जिस विधान को सही समझे, उस विधान से पूजा करेगा और वही विधान यहां पर सही माना जाएगा. बामाखेपा को तो जैसे मन मांगी मुराद मिल गई . मां और बेटे का मिलन हो चुका था . मंदिर व्यवस्था फिर से बामाखेपा के हिसाब से चलने लगी . ऐसा माना जाता है कि तारा माई खुद बामाखेपा के हाथ से प्रसाद ग्रहण करती थी . ऐसे अद्भुत ढंग से बामाखेपा तारा माई के पूजन करते जिसका कोई नियम नहीं था . कभी सुबह 4 बजे पूजा चल रही है तो कभी दोपहर 12 बजे तक पूजा प्रारंभ नहीं होती . कभी रात भर पूजा चल रही है तो कभी पूरे दिन भर मंदिर की ओर बामाखेपा के दर्शन ही नहीं होते थे. उनकी पूजन विधि लोगों को पसंद नहीं थी, लेकिन उनके पास कोई उपाय नहीं था, क्योंकि रानी का फरमान था . बामाखेपा अपनी मस्ती में जीते थे और लोग उन्हें नीचा दिखाने का रास्ता खोजते . एक दिन बामाखेपा की मां का निधन हो गया . नदी में बाढ़ थी . नदी के उस पार गांव था .बामा जिद पर अड़ गए छोटी मां का दाह संस्कार बड़ी मां के पास वाले श्मशान में किया जाएगा . गांव वाले बाढ़ वाली नदी को पार करने में जान का खतरा है यह जानते थे, लेकिन बामा को समझाना किसी के बस की बात नहीं .

नाव वाले से बाबा ने देह को नदी के पार पहुंचाने की बात की . नाव वाले ने साफ इंकार कर दिया . बाबा ने नाव देने के लिए कहा . नाव वाला हाथ जोड़कर बोला दृ "बाबा यही मेरे जीवन का सहारा है अगर बाढ़ में यह बह गया तो मैं घर कैसे चलाउँगा ?" बामा के चेहरे में रहस्यमई मुस्कान बिखर गई . जैसे उन्होंने कोई निर्णय ले लिया हो . उन्होंने अपनी माता के शव को उठाया और खुद नदी पर चलते हुए इस पार पहुंच गए . गांव वाले आंखें फाड़े उस दृश्य को देखते रह गए . बामा की इच्छा के अनुसार ही उन्होंने माई के मंदिर के पास वाले श्मशान में अपनी मां का दाह संस्कार संपन्न किया . मृत्यु भोज के लिए आसपास के सारे गांव में जितने लोग हैं, सभी को निमंत्रित करने के लिए बामाखेपा ने अपने घर के लोगों और आसपास के लोगों को कहा . सब इसे बामाखेपा का पागलपन समझकर शांत रहें . जिसके पास दो वक्त की रोटी का पता नहीं वह आसपास के 20 गांव को खाना कैसे खिलाएंगा यह उनके लिए कल्पना से भी परे की बात थी . जब कोई भी निमंत्रण देने जाने को तैयार नहीं हुआ तो बामाखेपा अकेले निकल पड़े . उन्होंने आसपास के 20 गांवों में हर किसी को मृत्यु भोज के लिए आमंत्रित कर लिया . सारे गांव वाले यह देखने के लिए तारापीठ पहुं. चने लगे कि देखा जाए यह पगला किस प्रकार से इतने सारे लोगों को मृत्यु भोज कराता है . गांव वालों की आंखें उस समय फटी की फटी रह गई जब सुबह से बैल गाड़ियों में भर-भर कर अनाज सब्जी आदि तारापीठ की तरफ आने लगी . बैल गाड़ियों का पूरा एक काफिला मंदिर के पास पहुंच गया . अनाज और सब्जियों का ढेर लग गया . जो लोग आए थे उन्होंने खाना बनाना भी प्रारंभ कर दिया . दोपहर होते-होते सुस्वादु भोजन की गंध से पूरा इलाका महक रहा था . प्रकृति भी अपना परीक्षण कब छोड़ती है, आसमान में बादल छाने लगे. प्रकृति ने भी उग्र रूप धारण कर लिया. बिजली कड़कने लगी . हवाएं चलने लगी और जोरदार बारिश के आसार नजर आने लगे . बामाखेपा अपनी जगह से उठे और जिस जगह पर श्राद्ध भोज होना था, उस पूरे जगह को बांस के डंडे से एक घेरा बनाकर घेर दिया .घनघोर बारिश चालू हो गई लेकिन घेरे के अंदर एक बूंद पानी भी नहीं गिरी . गांव वाले देख सकते थे कि वे जहां बैठकर भोजन कर रहे हैं वह पूरा हिस्सा सूखा हुआ है, और उस घेरे के बाहर पानी की मोटी मोटी बूंदें बरस रही है . जमीन से जल धाराएं बह रही हैं . वह पूरा इलाका जिसमें भोज का आयोजन था ,पूरी तरह से सूखा हुआ था . 20 गांव से आए हुए सभी लोगों ने छक कर भोजन किया . हर कोई तृप्त हो गया . अब बारी थी वापस अपने अपने गांव जाने की . घनघोर बारिश को देखते हुए वापस जाने के लिए दिक्कत आएगी यह सोचकर सभी चिंतित थे . बामाखेपा ने माई के सामने अपना अनुरोध पेश किया और कुछ ही क्षणों में आसमान पूरी तरह से साफ हो गया और धूप खिल गई . सारे लोग बड़ी सहजता से अपने अपने गांव तक पहुंच गए .

इस घटना के बाद बामाखेपा की अलौकिकता के बारे में लोगों को पता लगा . धीरे-धीरे लोगों की भीड़ बामाखेपा की तारा पीठ में बढ़ने लगी . कोई बीमार आता तो बामाखेपा उस पर हाथ फेर देते तो वह स्वस्थ हो जाता है . निसंतानों को संतान की प्राप्ति हो जाती और सभी आगंतुकों की इच्छा और मनोकामना तारापीठ में पूरी होने लगी .

बामाखेपा कभी भी बिना चखे माई को भोजन नहीं कराते थे . माई स्वयं अपने हाथ से उनको भोजन खिलाती थी और उनके हाथों से भोजन ग्रहण करती थी . ऐसे अद्भुत महामानव बामाखेपा अपने अंत समय में माई की प्रतिमा में लीन हो गए।

VECTOR CLASSES
Vector Classes
Hazaribag Road, Barhi
7717777833
7070459803
Competitive Classes
Faculties:
•Krishna Rana (JPSC Qualified)
•Rajesh Yadav (Expert Teacher)
•Suraj Gupta (CAT Qualified)
Admission Open
Specialized in Banking | SSC | Railway | JPSC | other State level Examinations

डेस्क प्रभारीः विकाश कुमार सहयोगीः सोनू पंडित, एडिटिंग- सोनू पंडित मैनेजिंग डायरेक्टरः डॉ० अनिल कुमार

दिनांकः 09-06-2022

सच का साथी

अपेम लाइव न्यूज

बरही से प्रकाशित एवं संचालित संध्या डिजीटल न्यूजपेपर

पेज सं0: 04

राज टेलीकॉम में ग्राहकों ने लगाया बदसलूकी का आरोप, लोगों ने किया हंगामा

अपेम लाइव :गिरीडीह
मुमताज अंसारी

पचम्बा थाना क्षेत्र के अलकापुरी स्थित राज टेलीकॉम मोबाइल शोरूम में बुधवार शाम जोरदार हंगामा हुआ। यहां शोरूम के स्टाफ पर एक ग्राहक ने बेवजह परेशान करने और बदसलूकी करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। जिसके बाद काफी संख्या में स्थानीय लोग जुटे और शोरूम संचालक को खरी-खोटी सुनाई। घटना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और शोरूम में लगी भीड़ को हटाया। सूचना मिलते ही सदर एसडीओ विशालदीप खलखो भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।वक्त रहते प्रशासन के पहुंच जाने पर किसी अप्रिय घटना को टाल दिया गया।क्योंकि आक्रोशित भीड़ शोरूम में तोड़फोड़ मचाने का मन बना चुकी थी। बताया गया कि मोहनपुर निवासी मोहम्मद वसीम अकरम 4 माह पहले इस शोरूम से एक मोबाइल खरीदा था। मोबाइल खराब हो जाने के बाद इंश्योरेंस के तहत मोबाइल बनवाने के लिए यह शख्स पिछले 10-12 दिल से शोरूम का चक्कर लगा रहा था। लेकिन उसका मोबाइल नहीं बन पा रहा था। आखिरकार गुस्से में आकर इसने हंगामा शुरू कर दिया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने भी शोरूम के द्वारा ऐसी हरकत का विरोध किया। बताया गया कि पहले भी राज टेलीक०म में ग्राहकों के साथ बदसलूकी की शिकायतें मिलती रही है। हालांकि गनीमत यह रही कि वक्त रहते प्रशासन मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

गिरिडीह नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में करोड़ों की परिसंपति/ प्रमाण पत्र वितरित किया गया

अपेम लाइव :गिरीडीह
बजरंगी महतो

नगर भवन गिरिडीह में केन्द्रीय एवं केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं से सं. बंधित प्रमाण पत्र/परिसंपति वितरण एवं लाभुकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अन्नपूर्णा देवी माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री , शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थीं साथ ही कार्यक्रम में माननीय विधायक जमुआ, माननीय उप महापौर गिरिडीह नगर निगम, माननीय विधायक गांडेय, डुमरी, गिरिडीह के प्रतिनिधि, उपायुक्त गिरिडीह, उप विकास आयुक्त अपर समाहर्ता, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण तथा जिला के सभी सम्ब. न्धित अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त गिरिडीह द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया, कार्यक्रम का विषय प्रवेश करते हुए उपायुक्त ने बताया कि आज प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि, प्रधानमंत्री आवास शहरी एवं ग्रामीण के लाभुकों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजाना, प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम जन आरोग्य योजना, जेएसपीएल के सखी मंडलों के बीच परिसंपति वितरण किया जाना है साथ ही नगर भवन में विभिन्न विभागों नगर निगम, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पेय जल एवं स्वच्छता विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, कृषि विभग्ग, स्वास्थ्य विभाग मत्स्य विभाग सहित अन्य विभागों के द्वारा स्ट०ल लगाए गए हैं। जहां पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा परिसंपति वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि विभिन्न केन्द्रीय एवं केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के द्वारा आम जनता को लाभ दिया जा रहा है। सिर्फ भारतीयों को ही नहीं वरन विदेशों में भी कोविड़ वैक्सीन उपल्ब्ध कराया गया। करोड़ों गरीबों को गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रति यूनिट पांच पांच किलो अनाज पीछले दो वर्षो से उपल्ब्ध कराया जा रहा है। नल जल योजना के तहत हर घर में शुद्ध पेय जल उपल. ब्ध करवाया जा रहा है। कोरोना से अनाथ हुए बच्चो के लिए मुफ्त शिक्षा और चिकित्सा तथा जब वो 23साल के हो जायेंगे तो उसे दस लाख रुपए दिए जाएंगे। उजवल्ला योजना, आयुष्मान भारत योजाना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना से लोगों को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय विधायक जमुआ ने कहा कि विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं यथा किसान सम्मान निधि, पीएम आवास योजना, शौचलय निर्माण योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आदि से लोगो के जीवन में खुशी आई। कोवीड वैक्सीन के द्वारा कोविड महामारी पर रोक लगाई गई। कार्यक्रम को नगर निगम उप महापौर, माननीय विधायक डुमरी, गिरिडीह के प्रति. निधि ने भी संबोधित किया। माननीय केंद्रिय राज्य मंत्री तथा उपस्थित अतिथियों के करकमलों से परिसंपति/प्रमाण पत्र वितरण किया गया जो निम्नकित हैः- 1-प्रधानमन्त्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि के तहत जीतन गुप्ता, लैलून वर्मा, तिलक दास, उमेश प्रसाद वर्मा, नंदू राम, भुनेश्वर राम, बबिता देवी को दस दस हजार रुपए ऋण दिया गया। 2-कसौटी स्वयं सहायता समूह, परी आजी. विका स्वयं सहायता समूह, आजिर आजीविका स्वयं सहायता समूह, सौम्या महीला समिती और शिव बाबा स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक को तीन लाख रुपए का ऋण दिया गया। 3-प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गुड़िया देवी, सुनीता देवी, गीता देवी, सफीना खातून, सजदा खातून एवं केदार सिंह को घर की चाभी देकर गृह प्रवेश कराया गया। 4-प्रधानमन्त्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि के तहत केदार प्रसाद, इरफान, रीता देवी को 20-20हजार का ऋण दिया गया। स्वस्तिक आजीविका स्वयं सहायता समूह को एक लाख रुपए का ऋण दिया गया। 5-जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा 50:अनुदान पर पांच किसान टिंकू यादव, गुलाब महतो, योगेंद्र प्रशाद यादव एवं सरयू महतो को प्रमाण पत्र दिया गया तथा प्रधानमन्त्री किसान सम्मान निधि योजाना के तहत 11वीं किस्त के लाभुक किसान रिंकू यादव, बा. लगोविंद प्रसाद वर्मा, मनोज कुमार, कुतुबुद्दीन अंसारी और योगेश्वर प्रसाद वर्मा को प्रमाण पत्र दिया गया। 6-जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के लाभुकों को प्रमाण पत्र दिया गया। 7-आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत नन्हकी कुमारी, कौशल्या देवी, कोशिया देवी, सरस्वती देवी एवं इतवारी हजाम को गोल्डन कार्ड दिया गया। 8- आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेथ सेंटर के तहत पांच साम. दायिक स्वास्थ्य आधिकारी नीलम शर्मा, रश्मि दंगा, सुशील बेसरा, अंशु प्रिया एवं रेणु कुंडलना को प्रमाण पत्र दिया गया। 9-प्रधानमन्त्री मुद्रा योजना के तहत बैंक अ०फ इंडिया के द्वारा विकास कुमार महतो एवं संजना कुमारी को 9-9लाख का ऋण दिया गया। विकास कुमार वर्णवाल को 5लाख, सुरेंद्र मंडल और देवनाथ रजक को 2-2लाख का ऋण बैंक अ०फ इंडिया द्वारा दिया गया। 10-प्रधानमन्त्री आवास योजना (ग्रामीण) में गीता देवी, दुलारी देवी, शकीला बानो, तोतो राय, संतोष कुमार गुप्ता को चाभी देकर गृह प्रवेश कराया गया। 11-उज्ज्वला गैस योजना के तहत गुड़िया देवी, रिंकू कुमारी, बुलबुल परवीन, उर्मिला देवी को गैस चूल्हा एवं अन्य सामग्री और प्रमाण पत्र दिया गया। 12-वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत कंचन कुमारी, छत्रधारी मण्डल एवं कन्हैया विश्वकर्मा को प्रमाण पत्र दिया गया। 13-प्रधानमन्त्री कल्याण अन्न योजना के तहत कुंती देवी , मालती देवी, सोनिया खातून, और मुरलीधर यादव को प्रमाण पत्र दिया गया। 14-जेएसपीएलएस के तहत सामुदायिक निधि एवं रिवाल्विंग फंड के रुप में एक करोड़ पांच लाख पचास हजार का वितरण विभिन्न सखी मंडलों को किया गया। साथ ही 511सखी मंडलों का आठ करोड़ 92लाख का बैंक लिंकेज किया गया। कार्यकृम के आखिर में सभी अतिथियों द्वारा स्ट०ल भ्रमण किया गया।

गिरीडीह सदर पालमो पंचायत अंतर्गत संचालित पालमो पैक्स बीज वितरण किया गया

अपेम लाइव :गिरीडीह
प्रमोद कुमार गुप्ता

गिरीडीह सदर प्रखंड के पालमो पंचायत अंतर्गत पालमो पैक्स में में किसानों के बीच बीज वितरण किया गया।जिसमें मुख्य रूप से DCO साहेब श्री मनोज कुमार के द्वारा उद्घाटन किया किया । उसके बाद फिता कटा गया,फिर किसानों को बीज देकर रोपने की विधि भी बताई और उन्होंने कहा कि मौसम का मिजाज बदल रहा है।किसानों को समय से पहले बीज वितरण किया गया।जिससे किसान समय से बीज की खेत मे डाल सके और सब काम समय से हो।आज पैक्स में दर्जनों किसानो ने आकर बीज को लिया जिसमे किसानों को 50:रुपये का भुकतान करना पड़ेगा।सभी ग्रामीणों ने DCO साहेब को धन्यवाद दिया ।बीजो में धान, करेली,भिंडी,मकई आदि की बीज वितरण किया गया मौके पर पालमो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद यादव,बेरदोंग के मुखिया अर्जुन मरांडी,बेरदोंग के पूर्व मुखिया बिरका हासदा,कृषि मित्र पतिया हासदा,कृषि बैंक स्टाफ पप्पू कुमार,संजीत साव ,कामेश्वर साव,प्रकाश साव और ग्रामीण उपस्तित थे।

रामवि चेडरा में विद्यार्थियों के बीच प्रतिपूर्ति राशि का वितरण

अपेम लाइवः विष्णुगढ
मिथलेश गोल्डी

विद्यार्थियों के बीच प्रतिपूर्ति भत्ता का वितरण करते मुखिया समेत जनप्रतिनिधि

प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय चेडरा में गुरूवार को विद्यार्थियों के बीच मध्याह्न भोजन योजना के प्रतिपूर्ति राशि का वितरण किया गया। चेडरा मुखिया निर्मल कुमार, पंसस मुन्नी देवी समेत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से इसकी शुरूआत की। विद्यालय सचिव अशोक कुशवाहा ने बताया कि अप्रैल 2021 से जनवरी 2022 तक कुल 206 दिन के लिए कक्षा एक से पांच तक 138 विद्यार्थियों के बीच 1023.82 रूपए का वितरण किया गया। वहीं, कक्षा छह से आठ तक के 312 विद्यार्थियों के बीच 1534.70 रूपए दिए गए। ग्रीष्मावकाश के 20 दिनों के लिए कक्षा एक से पांच तक के 76 विद्यार्थियों के लिए 99.40 रूपए का वितरण किया गया। बिना खाता वाले बच्चों के अक. टूबर 2020 से मार्च 2021 तक 134 दिनों के लिए कक्षा एक से पांच तक 44 बच्चों के बीच प्रति विद्यार्थी 665.98 दिए गए। वहीं, कक्षा छह से आठ तक के 18 विद्यार्थियों के बीच प्रति विद्यार्थी 998. 30 रूपए बांटे गए। मौके पर विप्रस अध्यक्ष कुमारी आशा वर्मा, संयोजिका नीलम देवी, सदस्य संजय कुमार वर्मा, लालधन महतो, प्रीति कुमारी, शमशुल हक, सुनील कुमार वर्मा, एनुल हक, कुंदन कुमार वर्मा समेत कई अभिभावक मौजूद थे।

डेस्क प्रभारीः विकाश कुमार सहयोगीः सोनू पंडित, एडिटिंग- सोनू पंडित मैनेजिंग डायरेक्टरः डॉ० अनिल कुमार

दिनांक: 09-06-2022

सच का साथी

अपेम लाइव न्यूज

बरही से प्रकाशित एवं संचालित संध्या डिजीटल न्यूजपेपर

पेज सं0: 05

इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए तोहफा

शिक्षा,रोजगार, कौशल विकास केंद्र पर विशेष ध्यान रहेगा प्रमंडल स्तरीय बिरसा पाठशाला का – पूर्व आईजी

अपेम लाइव : कान्हाचट्टी
प्रमोद कुमार सिंह

कान्हाचट्टी : वृहस्पतिवार को झारखंड राज्य के पूर्व आ. ईजी श्री विपुल शुक्ला से जिला ग्रामीण विकास समिति, हजारीबाग के अध्यक्ष, सचिव एवं संस्था के पदाधिकारियों ने एक विशेष बैठक की। बैठक में संस्था के अध्यक्ष श्री धनेश्वर राणा ने पूर्व आ. ईजी श्री विपुल शुक्ला को पुष्पगुच्छ देखकर और संस्था सचिव सुनील कुमार ने शॉल ओढ़ाकर हजारीबाग की धरती पर सहृदय स्वागत किया ।

बैठक में संस्था की एक्शन प्लान झारखंड राज्य में सभी पांचों प्रमंडलों में बिरसा पाठशाला खोलने की योजना पर उनसे चर्चा – परिचर्चा हुई। चर्चा के दौरान जिसमें सबसे पहले उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के मुख्यालय हजारीबाग में योजनाबद्ध तरीके से पा. ठशाला स्थापित कर संचा. लित करने का निर्णय लिया गया। बिरसा पाठशाला के बोर्ड अ०फ डायरेक्टर पूर्व आईजी श्री शुक्ला ने पाठशाला की विशेषता के बाबत बताया कि झारखंड राज्य को बिहार से अलग हुए 21 वर्ष हो चुके हैं और यह हम सबों को मालूम है कि झारखंड को बिहार से अलग क्यों किया गया था जैसा कि हम सब जानते हैं कि झारखंड एक पठारी प्रदेश के साथ–साथ पूरा प्रदेश खनिज पदार्थों से ओतप्रोत है लेकिन जब कोरोना काल आया तो हमें पूरे भारतवर्ष में से यह देखने को मिला कि प्रवासी मजदूर अगर है तो वह झारखंड राज्य में सबसे अधिक है जबकि पूरा राज्य खनिज पदार्थों से भरा पूरा होने के बावजूद भी यहां के आम जनता का हालत दयनीय है, इस विडंबना को देखते हुए एहसास होता है कि यहां के लोगों से बहुत बड़ी भूल हो रही है तभी तो झारखंड राज्य को अलग हुए लगभग 21 वर्ष से अधिक होने के बावजूद भी यहां के लोग अपने जीविकोपार्जन एवं अपने परिवार का पालन पोषण हेतु दूसरे राज्यों में पलायन करने पर मजबूर हो रहे हैं इसी विरोधाभास को दूर करने के लिए बहुत बड़ा संकल्प लिया गया है कि सर्वप्रथम झारखंड राज्य के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सात जिलों हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, रामगढ़, बोकारो एवं धनबाद के युवा/युवतियों के लिए विरसा पाठशाला की व्यवस्था हमारे भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, कृषि वैज्ञानिक, उद्योग विभाग एवं भारत की उधम कंपनियों के उच्च स्तरीय पद से सेवानिवृत्त एवं निजी व्यवसाय के प्रमुख विशेषज्ञों के सामूहिक निदेशक मंडल के सहयोग से उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के मुख्यालय हजारीबाग में एक बेहतरीन केंपस तैयार किया जा रहा है जहां टेि. क्नकल प्रशासनिक के साथ–साथ रोजगार युक्त एवं कौशल विकास की ओर स्वयं प्रेरित होकर रोजगार युक्त से लाभान्वित किया जाएगा हमें आंकड़ा से पता चलता है कि हमारे झारखंड राज्य के प्रत्येक जिला से प्रतिवर्ष लगभग 3800 विद्यार्थियों देश के अन्य राज्यों में विशेष तकनीकी, कौशल विकास का प्रशिक्षण तथा अच्छी नौ. करी के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त हेतु पलायन करते हैं इसलिए क्यों ना अपने ही राज्य में ही पंचायत स्तरीय सिलेक्शन कमिटी गठन कर चयनित युवा/युवतियों को आत्म. निर्भर बनाने हेतु पाठशाला में उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए ताकि हमारे राज्य के मेधावी एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा युवा/ युवतियों को इसका लाभ मिल सके और पलायन कम किया जा सके रोका जा सके एवं रोजगार युक्त प्रदेश का निर्माण किया जा सके इन्हीं उद्देश्यों को पूर्ति हेतु बिरसा पाठशाला खोला जा रहा है जहां शिक्षा,रोजगार एवं कौशल विकास केंद्र का गहन अध्ययन किया जाएगा फल स्वरुप इस पाठशाला में युवा युवतियों को योजनाबद्ध तरीके से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के उच्च स्तरीय से निम्न वर्ग के वैकेंसी के साथ–साथ भारत सरकार की उधम कंपनियों, कृषि विभाग, पशुपालन, उद्योग के क्षेत्रों में एवं निजी व्यवसाय इत्यादि अनेकों अनेक विभागों में चयनित लक्ष्य को निर्धारित कर उन्हें उनका लक्ष्य की प्राप्ति में पाठशाला के दिशा निर्देश के अनुसार मदद करना एवं उनका चयन प्रक्रिया से नियुक्ति प्रक्रिया तक में योजनाबद्ध तरीके से उनका व्यक्तित्व का विकास कराना पाठशाला की पहली प्राथमिकता होगी इसमें पंचायत स्तरीय सिलेक्शन कमिटी को विशेष धन्यवाद देते हुए श्री शुक्ला ने बताया कि इंटरमीडिएट के परिणाम घोषित होने के बाद अभ्यार्थियों का चयन प्रक्रिया शुरू किया जाएगा तत्पश्चात उनका नामांकन पाठशाला में लिया जाएगा, सबको धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर इस योजना को योजनाबद्ध तरीके से सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपेक्षा करते हुए लोगों को पुनः धन्यवाद किया ।

गावां में सेविका संघ ने किया बैठक का आयोजन

अपेम लाइव : गांवा
मोजाहिद अली

गांवा प्रखण्ड स्थित अंबेडकर भवन गांवा में गुरुवार को सेविका संघ के द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला सचिव अंशुलता स्वरूप एवं प्रयाग प्रसाद यादव उप. स्थित थे। बैठक की अध्यक्षता गांवां प्रखंड अध्यक्ष संजू देवी ने किया वही संचालन मुनिल यादव ने किया। बैठक में सेविक. ाओं ने संगठन विस्तार पर चर्चा किया। साथ ही उन्होंने निर्णय लिया कि आगामी 21 जून को निर्धारित गिरिडीह परिसदन के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों के सेविका दीदी लोग उपस्थित होंगे। उक्त मौके पर जिला सचिव अंशुलता स्वरूप ने कहा कि हम लोग 3 सूत्री मांगों को लेकर आगामी 21 जून को परिषद के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे जो निम्न है 1. बकाया मानदेय को अभिलंब आवंट्ति करो 2. सेविकाओं को स्मार्टफोन उपलब्ध करवाएं 3. पोषाहार की राशि उपलब्ध करवाया जाए साथ ही उन्होंने जिले के सभी प्रखंड के तमाम से. विकाओं से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मांगों को मजबूती प्रदान करे। प्रखंड अध्यक्ष संजू देवी ने कहा कि सेविका दिन–रात कड़ी मेहनत कर सेवा देती हैं उनके अनुसार उनको मानदेय नहीं मिलता। कम से कम सरकार के द्वारा निर्धारित मानदेय भी समय पर मिल जाए तो सभी कार्यों में सेविकाओं को सहूलियत होगा। इसलिए उन्होंने भी अपील किया कि पूरे प्रखंड के सेविका संघ के अधिक से अधिक सदस्य पहुंच कर मांगों को मजबूती से उठाएं। वही सेविका गुलशन आरा ने कहा कि संघ में एकता से यही सारे मांग पूरी होंगी, सभी के एकत्रित होने पर ही अधिकारी हमारी मांगों को संज्ञान में लेंगे इसलिए उन्होंने भी अपील किया है कि प्रखंड के सभी सेविका में बहने निर्धारित तिथि को गिरिडीह चलें और अपने मांगों को रफ्तार दें। मौके पर सेविका संयुक्ता देवी ज्योति देवी, सुनीता देवी, अरुण कुमार आदि दर्जनों सेविका बहने उपस्थित थे।

नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में पोषण सखी प्रतिनिधि मंडल ने किया विरोध प्रदर्शन

अपेम लाइव :गिरीडीह
बजरंगी महतो

आज गुरुवार को नगरभवन में गिरिडीह जिला प्रशासन ने कार्यक्रम आयोजित कर केंद्रिय एवं केंद्रिय योजनाओं से संबंधित लाभुकों के बीच परिसंपति/प्रमाण पत्र वितरण किया गया। आज के इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती अन्नपूर्णा देवी कोडरमा लोक सभा सांसद सह केंद्रिय राज्य शिक्षा मंत्री उपास्थित थीं। मंच पर गिरिडीह उपायुक्त, उप विकास आयुक्त,, जमुआ विधायक केदार हाजरा, विधायक गिरिडीह, डुमरी, गांडेय के प्रतिनिधि उपस्थित थे। ज्ञात हो कि झारखंड की हेमंत सोरेन की सरकार ने तुगलकी फरमान जारी कर राज्य में कार्यरत सभी पोषण सखियों को सेवा से विमुक्त कर दिया। इस विषय को लेकर पोषण सखी के प्रतिनिधि मंडल ने आज इस कार्यक्रम में वि. रोध प्रदर्शन किया। पोषण सखी प्रतिनिधि मंडल के नेतृत्व कर रही प्रमिला देवी ने बताया कि झारखंड के 6 जिले में वर्ष 2015 से 10388 पोषण सखी आंगनबाड़ी में कार्य कर रही थी लेकिन झारखंड सरकार ने बगैर पूर्व सूचना के या बिना कोई ठोस कारण के 1 अप्रैल 2022 से इनकी सेवा को निरस्त कर दिया ।इसी के परिणाम स्वरूप आज टाउन हॉल गिरिडीह में केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और झारखंड सरकार के प्रति. निधियों के कार्यक्रम मे पोषण साथियों ने पुरजोर तरीके से विरोध किया एवं भारत सरकार तथा राज्य सरकार के विरोध नारेबाजी भी की और साथ में अल्टी. मेटम भी दिए यदि 1 महीने के अंदर इनकी सेवा को पुनः वापस नहीं लिया जाता है तो हर जगह और प्रत्येक कार्यक्रम में इनका विरोध किया जाएगा। आज के इस कार्यक्रम में प्रमिला देवी, रीता दास ,ज्योति कुमारी, उषा कुमारी सुषमा कुमारी बबली कुमारी अनिता कुमारी, शबनम खातून, रवीना खातून ,रोशन आदि सैकड़ों पोषण सखी उपस्थित थी।

विधायक ने विष्णुगढ़ पैक्स में किया धान बीज विक्रय केन्द्र का उद्घाटन

अनुदानित दर पर बीज मिलने से किसानों को होगा लाभ

अपेम लाइवः विष्णुगढ
मिथलेश गोल्डी

मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल ने गुरुवार को विष्णुगढ़ पैक्स के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद विधायक ने पैक्स अध्यक्ष रंजीत गुप्ता से सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए धान के बीजों की गुणवत्ता एवं किस्मों के बारे में जानकारी ली। विधायक ने कई किसानों के बीच बीज का वितरण अपने हाथों से किया। उन्होंने कहा कि समय पर पैक्स केंद्र से बीज मिलने पर किसानों को राहत होगी। मैं पूरी तत्परता के साथ किसानों के साथ खड़ा हूं। पैक्स अध्यक्ष ने बताया कि सरकार के माध्यम से अनुदानित दर पर उत्तम गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध डीआरआरएस02 , डीआरआरएस03 , एमटीयू101 , आईआर 64, अराइज 44 किस्मों के बीज पैक्स केंद्र में उपलब्ध है। सरकार के माध्यम से बीज में 50 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है। किसान भाई सरकार की योजना का लाभ उठाकर अपने आप को सशक्त करें। मौके पर सांसद प्रतिनिधि मधुसूदन प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि रीना बर्मन, संतोष कुमार महतो, महादेव मंडल, गुरु प्रसाद साव, चेडरा मुखिया निर्मल कुमार, हीरामन महतो, राजेश सोनी, जीवन सोनी, अंजू देवी, सीमा देवी, दीपक रजक, महेंद्र कुमार महतो, कन्हाई यादव, नीतीश कुमार बर्णवाल, कुन्दन मिश्रा, रणधीर सोनी, रामपवन कुमार वर्मा, बिगू मिश्रा, हेमलाल साव समेत कई ग्रामीण व किसान मौजूद थे।

विष्णुगढ़ पैक्स में धान बीज का वितरण करते विधायक जेपी पटेल समेत अन्य

कन्वेयर बेल्ट में रोजगार को लेकर विधायक अंबा प्रसाद ने डीसी व एसपी से किया मुलाकात

अपेम लाइवः बडकागॉव
अमित मालाकार

बड़कागांव से बाना दाग रेलवे साइडिंग तक निर्मित कन्वेयर बेल्ट से कोयला ढुलाई किया जा रहा हैद्य मामले को लेकर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की हैस जिसमें बताया गया कि कन्वेयर बेल्ट में स्थानीय विस्थापितों की अपेक्षा बाहरी लोगों को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान करने शिव शक्ति कंपनी द्वारा धांधली करने, पैसे लेकर बाहरी राज्यों का लोगों को रोजगार देने समेत कई मुद्दों को लेकर विधायक अंबा प्रसाद ने जिले के उपायुक्त नैंसी सहाय एवं एसपी मनोज रतन चौथे से दिन बृहस्पतिवार को मुलाकात कियाद्य इस दौरान शिव शक्ति कंपनी के कई अधिकारी भी मौजूद रहेद्य स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विधायक अंबा प्रसाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के समक्ष यथाशीघ्र एक बैठक कर कंपनी के अधिकारियों को कन्वेयर बेल्ट में अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने एवं धांधली बंद करने की हिदायत दी गईद्य अंबा प्रसाद ने कड़े लहजे में कहा कि किसी भी बाहरी कंपनी को स्थानीय लोगों की हक को मारते हुए तथा नियम कानूनों को ताक पर रखकर कार्य करने नहीं दिया जाएगास

डेस्क प्रभारीः विकाश कुमार सहयोगीः सोनू पंडित, एडिटिंग– सोनू पंडित मैनेजिंग डायरेक्टरः डॉ० अनिल कुमार